

रांची में 'रेरा बिहार से रू-ब-रू' कार्यक्रम : बिल्डरों को बिहार में निवेश के लिए मिला आमंत्रण रेरा बिहार ने आसान प्रक्रियाओं व निवेश के अवसरों पर दिया जोर, झारखंड रera ने भी मॉडल अपनाने की जताई इच्छा

शुभम संदेश। रांची

रांची में आयोजित 'रेरा बिहार से रू-ब-रू' कार्यक्रम में बिहार के भू-संपदा विनियामक प्राधिकरण (रेरा) के अध्यक्ष विवेक कुमार सिंह ने झारखंड में कार्यरत बिल्डरों को बिहार में निवेश के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि बिहार में तेजी से हो रहे विकास का लाभ उठाते हुए बिल्डर्स न केवल अपने व्यवसाय का विस्तार कर सकते हैं, बल्कि आम लोगों की आवासीय जरूरतों को पूरा करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य निवेशकों को बिहार के रियल एस्टेट सेक्टर में उपलब्ध अवसरों और 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' की सुविधाओं से अवगत कराना था।

बिल्डरों और खरीदारों को जोड़ने की पहल : यह कार्यक्रम विशेष रूप से उन स्थानों पर आयोजित किया जाता है, जहां बिहार के घर खरीदार और प्रमोटर बड़ी संख्या में मौजूद होते हैं। रांची में हुए इस आयोजन में झारखंड के विकास आयुक्त अजय कुमार सिंह, झारखंड रera के अध्यक्ष बिरेंद्र भूषण, राज्य में कार्यरत



बिल्डर्स और बिहार में संपत्ति खरीदने के इच्छुक लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम ने दोनों पक्षों, बिल्डरों और खरीदारों को एक मंच पर लाकर संवाद का अवसर प्रदान किया।

रेरा बिहार की सरल निबंधन प्रक्रिया : अध्यक्ष विवेक कुमार सिंह ने बताया कि रera बिहार ने परियोजना निबंधन प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए 'फिल्टर व्यवस्था' लागू की है। इससे प्रमोटरों को आवेदन करते समय किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ता। उन्होंने

स्पष्ट किया कि यदि सभी दस्तावेज सही ढंग से प्रस्तुत किए जाते हैं, तो प्राधिकरण निबंधन देने में उदार रुख अपनाता है। इससे निवेशकों का भरोसा बढ़ता है और परियोजनाओं को गति मिलती है।

घर खरीदारों के हितों की सुरक्षा : सिंह ने यह भी जोर देकर कहा कि रera बिहार घर खरीदारों के हितों की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। किसी भी प्रकार की अनियमितता या अन्याय के मामलों में प्राधिकरण सख्त कार्रवाई करता है। इससे

खरीदारों में विश्वास बढ़ता है और रियल एस्टेट बाजार अधिक पारदर्शी बनता है।

झारखंड के लिए सीख और सराहना : कार्यक्रम में झारखंड के विकास आयुक्त अजय कुमार सिंह ने रera बिहार के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि झारखंड रera को भी इसी तरह की पहल करनी चाहिए, ताकि यहां के घर खरीदारों के हितों की बेहतर सुरक्षा हो सके। वहीं झारखंड रera के अध्यक्ष बिरेंद्र भूषण ने कहा कि रera बिहार के कार्यों को राष्ट्रीय

स्तर पर सराहा जाता है और इस कार्यक्रम से कई उपयोगी बातें सीखने को मिली हैं, जिन्हें झारखंड में लागू करने का प्रयास किया जाएगा।

जागरूकता और संवाद पर जोर : रera बिहार के जांच आयुक्त संजय सिंह ने निबंधन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए खरीदारों को सलाह दी कि वे किसी भी संपत्ति में निवेश से पहले परियोजना का रera पंजीकरण अवश्य जांच लें। सचिव अनीमेष पांडेय ने कार्यक्रम के उद्देश्यों की जानकारी दी, जबकि विशेष कार्य पदाधिकारी राजेश थदानी ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

जागरूकता के लिए दो लघु फिल्मों भी दिखाई गईं : कार्यक्रम के दौरान जागरूकता बढ़ाने के लिए दो लघु फिल्मों भी दिखाई गईं। साथ ही एक विस्तृत प्रस्तुति के माध्यम से प्रमोटरों को बिहार में उपलब्ध अवसरों और रera द्वारा उठाए गए कदमों की जानकारी दी गई। खरीदारों के लिए अलग सत्र आयोजित कर उन्हें निवेश से पहले ध्यान रखने योग्य बिंदुओं से अवगत कराया गया। अंत में खुले सत्र में प्रतिभागियों की शंकाओं का समाधान किया गया।

तब लोग उ-
जब राधाका
लगे। उनके
साहित्यकार
मिलना चाहि
नहीं जाएगा,
भाषा वाले
साहित्यकार
भाषाओं के
जन सूचना
डालते हुए
उपन्यास लि
सेवा से जुड़े
शुरुआत हुई
ने कहा कि
बहुत धार
कहानी है। इ
संकट को अ
और उदासी

आयुसी र

संवा

झारखंड सर
विकास एवं
में आयुसी
पर्यवेक्षीका प
प्रदान किया
राजू सोनी की
उपलब्धि से
पूरे क्षेत्र में खु
आयुसी ने अ
दृढ़ संकल्प व
हासिल की है
को युवा व
माना जा रहा
के बाद उन्
शिक्षकों और
व्यक्त किया।